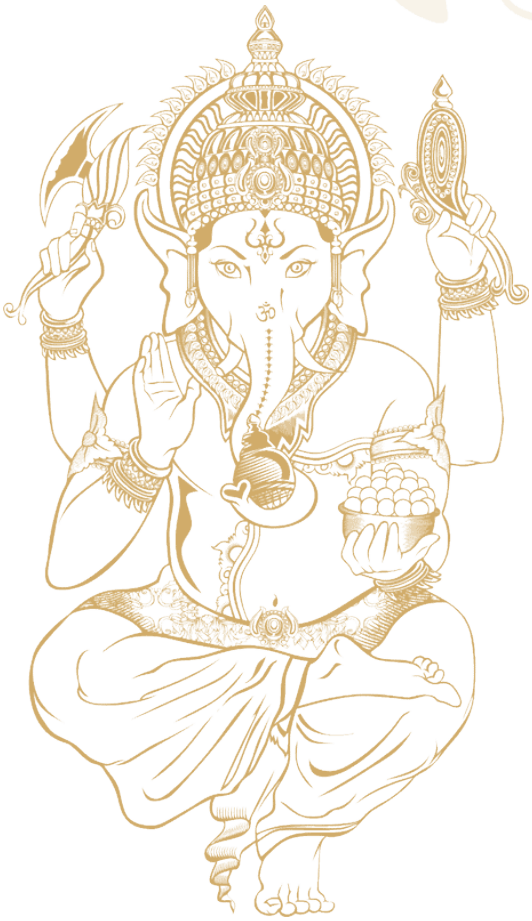

Mr.JATIN

Ms.Anjali

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120486601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120486601 Date: 09/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/08/1995	जन्म तिथि	05/02/1999
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 26:20:18	जन्म समय(घटी)	01:56:42 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Jaipur Rly Station
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	75:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:52	सूर्योदय	07:10:41
19:11:14	सूर्यास्त	18:11:10
23:47:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:31
धनु	लग्न	कुम्भ
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	कन्या
शनि	राशि-स्वामी	बुध
श्रवण	नक्षत्र	हस्त
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	2
सौभाग्य	योग	धृति
बव	करण	कौलव
खे-खेमचन्द	जन्म नामाक्षर	ष-षटतिला
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मेष

JAIPUR JYOTISH KENDRA
A-26 SHIV NAGAR, MURLIPURA, OPP ROAD NO.1 VKI AREA,SIKAR ROAD, JAIPUR
9414440941
makkhan1959@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 0मा 1दि		08:39:49	धनु		लग्न	कुंभ	06:17:47	चन्द्र 6वर्ष 5मा 24दि	
गुरु		23:33:22	कर्क		सूर्य	मक	21:59:02	राहु	
11/08/2023		19:19:46	मक		चंद्र	कन्या	14:41:22	30/07/2012	
11/08/2039		18:21:03	कन्या		मंगल	तुला	09:51:36	31/07/2030	
गुरु	28/09/2025	06:59:58	सिंह		बुध	मक	22:37:55	राहु	13/04/2015
शनि	11/04/2028	11:49:27	वृश्चि		गुरु	मीन	04:27:17	गुरु	05/09/2017
बुध	18/07/2030	20:39:00	कर्क		शुक्र	कुंभ	15:24:01	शनि	12/07/2020
केतु	24/06/2031	29:58:06	कुंभ	व	शनि	मेष	04:11:29	बुध	30/01/2023
शुक्र	22/02/2034	05:29:19	तुला	व	राहु	कर्क	28:17:29	केतु	17/02/2024
सूर्य	11/12/2034	05:29:19	मेष	व	केतु	मक	28:17:29	शुक्र	17/02/2027
चन्द्र	11/04/2036	03:55:38	मक	व	हर्ष	मक	19:05:45	सूर्य	12/01/2028
मंगल	18/03/2037	29:43:54	धनु	व	नेप	मक	08:31:56	चन्द्र	12/07/2029
राहु	11/08/2039	04:01:08	वृश्चि		प्लूटो	वृश्चि	16:16:08	मंगल	31/07/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:55 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:31

लग्न-चलित

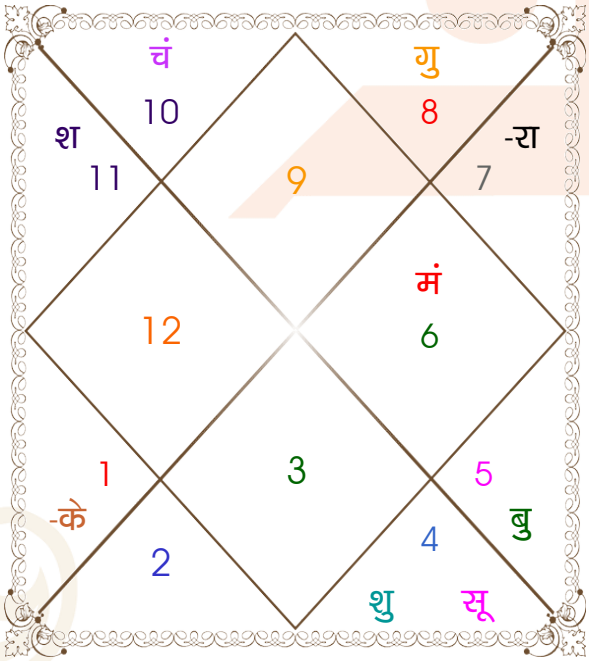

लग्न-चलित

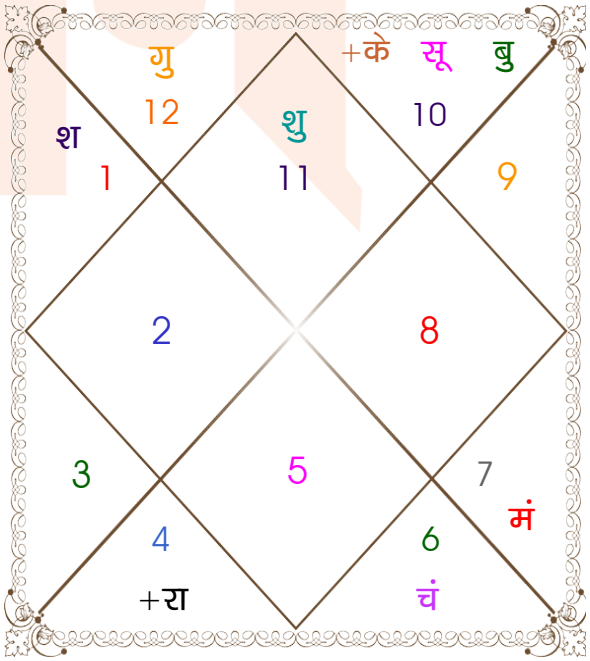

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

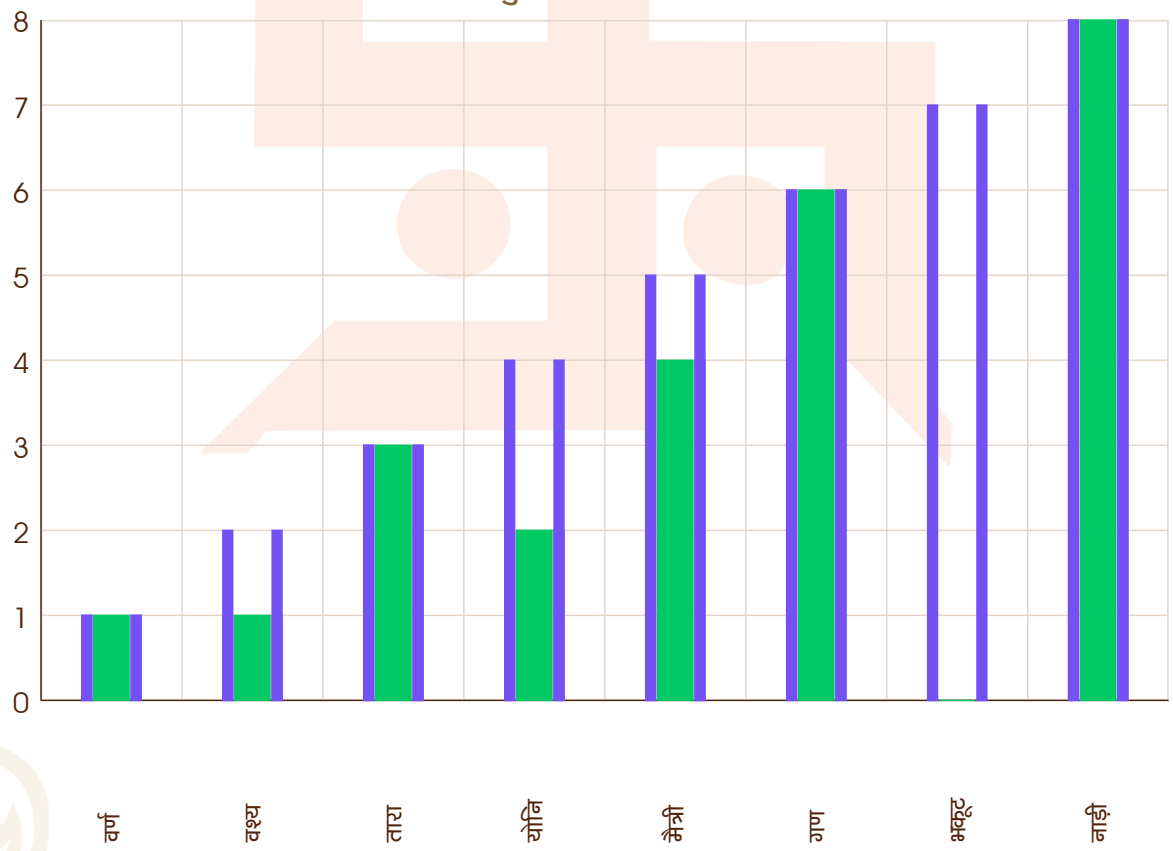

JAIPUR JYOTISH KENDRA
A-26 SHIV NAGAR, MURLIPURA, OPP ROAD NO.1 VKI AREA,SIKAR ROAD, JAIPUR
9414440941
makkhan1959@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.JATIN का वर्ग मार्जार है तथा डेण ।दरंसप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.JATIN और डेण ।दरंसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.JATIN मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डेण ।दरंसप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr.JATIN तथा डेण ।दरंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.JATIN का वर्ण वैश्य है तथा डेण ।दरंसप का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Mr.JATIN और डेण ।दरंसप दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Mr.JATIN और डेण ।दरंसप दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Mr.JATIN का वश्य जलचर है एवं डेण ।दरंसप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में डेण ।दरंसप अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Mr.JATIN उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Mr.JATIN की तारा जन्म तथा डेण ।दरंसप की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr.JATIN की योनि वानर है तथा डेण ।दरंसप की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.JATIN का राशि स्वामी डेण्।दरंसप के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि डेण्।दरंसप का राशि स्वामी Mr.JATIN के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr.JATIN का गण देव तथा डेण्।दरंसप का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.JATIN से डेण्।दरंसप की राशि नवम भाव में स्थित है तथा डेण्।दरंसप से Mr.JATIN की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr.JATIN की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण

पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Mr.JATIN की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण ।दरंसप की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr.JATIN की अन्त्य नाड़ी तथा डेण ।दरंसप की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.JATIN की राशि भुमितत्व युक्त तथा डेण्दरंसप की राशि भी भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। अतः तत्वों की समानता के कारण Mr.JATIN और डेण्दरंसप के मध्य स्वभावगत समताएं विद्यमान रहेंगी तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता होगी। फलतः वैवाहिक जीवन में सुख शान्ति रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

Mr.JATIN की राशि का स्वामी शनि तथा डेण्दरंसप की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं मित्रराशियों में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से Mr.JATIN और डेण्दरंसप के आपसी संबंधों में मधुरता होगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभुति का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा एवं गुणों पर ध्यान देंगे फलतः पारिवारिक स्नेह के भाव में प्रगाढता होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करेंगे। अतः Mr.JATIN और डेण्दरंसप का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा सुखद क्षणों की अनुभूति करते रहेंगे।

Mr.JATIN और डेण्दरंसप की राशियां परस्पर पंचम तथा भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.JATIN और डेण्दरंसप के उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता रहेगी तथा मित्रता के स्थान पर शत्रुता एवं विरोध का भाव उत्पन होगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों पर विशेष ध्यान देकर अनावश्यक समस्याओं तथा विवादों को उत्पन करेंगे। अतः इनका वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त परस्पर श्रेष्ठता तथा अहंकार का भाव भी रहेगा। अतः सामंजस्य तथा बुद्धिमता से ही शुभ फल प्राप्त होंगे।

Mr.JATIN का वश्य जलचर तथा डेण्दरंसप का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमताओं के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा रारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग रहेंगी। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे। अतः दाम्पत्य जीवन मध्यम रहेगा।

Mr.JATIN तथा डेण्दरंसप का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा वाणिकबुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धन को जीवन में विशेष महत्व प्रदान करेंगे।

धन

Mr.JATIN और डेण्दरंसप का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr.JATIN और डेण्दरंसप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr.JATIN को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.JATIN की नाड़ी अन्त्य तथा डेण्ादरंसप की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Mr.JATIN और डेण्ादरंसप अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr.JATIN और डेण्ादरंसप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.JATIN और डेण्ादरंसप को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr.JATIN और डेण्ादरंसप के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

डेण्ादरंसप का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः डेण्ादरंसप के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार डेण्ादरंसप सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr.JATIN और डेण्ादरंसप को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr.JATIN और डेण्ादरंसप का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

डेण्ादरंसप के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि डेण्ादरंसप धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो

सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से डेण्।दरंसप के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी डेण्।दरंसप का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी डेण्।दरंसप से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.JATIN की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.JATIN सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.JATIN ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.JATIN के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।